Series : OSR/1

कोड नं.
Code No. **29/1/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्तमान साम्प्रदायिक संकीर्णता के विषम वातावरण में संत-साहित्य की उपादेयता बहुत है । संतों में शिरोमणि कबीर दास भारतीय धर्म निरपेक्षता के आधार पुरुष हैं । संत कबीर एक सफल साधक, प्रभावशाली उपदेशक, महान नेता और युग-द्रष्टा थे । उनका समस्त काव्य विचारों की भव्यता और हृदय की तन्मयता तथा औदार्य से परिपूर्ण है । उन्होंने कविता के सहारे अपने विचारों को और भारतीय धर्म निरपेक्षता के आधार को युग-युगान्तर के लिए अमरता प्रदान की । कबीर ने धर्म को मानव धर्म के रूप में देखा था । सत्य के समर्थक कबीर हृदय में विचार-सागर और वाणी में अभूतपूर्व शक्ति लेकर अवतरित हुए थे । उन्होंने लोक-कल्याण कामना से प्रेरित होकर स्वानुभूति के सहारे काव्य-रचना की । वे पाठशाला या मकतब की देहरी से दूर जीवन के विद्यालय में 'मसि कागद छुयो नहिं' की दशा में जीकर सत्य, ईश्वर विश्वास, प्रेम, अहिंसा, धर्म-निरपेक्षता और सहानुभूति का पाठ पढ़ाकर अनुभूति मूलक ज्ञान का प्रसार कर रहे थे । कबीर ने समाज में फैले हुए मिथ्याचारों और कुत्सित भावनाओं की धज्जियाँ उड़ा दीं । स्वकीय भोगी हुई वेदनाओं के आक्रोश से भरकर समाज में फैले हुए ढोंग और ढकोसलों, कुत्सित विचारधाराओं के प्रति दो टूक शब्दों में जो बातें कहीं, उनसे समाज की आँखें फटी की फटी रह गईं और साधारण जनता उनकी वाणियों से चेतना प्राप्त कर उनकी अनुगामिनी बनने को बाध्य हो उठी । देश की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान वैयक्तिक जीवन के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयत्न संत कबीर ने किया । उन्होंने बाँह उठाकर बलपूर्वक कहा –

कबिरा खड़ा बाजार में, लिए लुकाठी हाथ ।
जो घर जारे आपना, चले हमारे साथ ।।

(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

(ख) आज संत-साहित्य को उपयोगी क्यों माना गया है ? **1**

(ग) संत-शिरोमणि किसे माना गया है और क्यों ? **2**

(घ) धर्म के प्रति कबीर का दृष्टिकोण कैसा था ? **1**

(ङ) किस वाक्य से प्रतीत होता है कि कबीर पढ़े-लिखे नहीं थे किंतु उन्होंने अपने अनुभव से महान जीवन मूल्यों का ज्ञान फैलाया था ? **2**

(च) सामान्य जनता कबीर की वाणी को मानने को क्यों बाध्य हो गई ? **2**

(छ) अपने जीवन के माध्यम से कबीर ने किन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया ? **1**

(ज) कबीर ने अपनी 'बाँह उठाकर' जो कुछ कहा उसे अपने शब्दों में समझाइए । **2**

(झ) काव्यांश से कोई दो मुहावरे चुनकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए । **2**

(ञ) 'सांप्रदायिकता' शब्द से एक उपसर्ग और एक प्रत्यय चुनकर लिखिए । **1**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में, क्या जल में बह जाते देखा है ?
क्या खाएँगे ? यह सोच निराशा से पागल, बेचारों को नीरव रह जाते देखा है ?

देखा है ग्रामों की अनेक रम्भाओं को, जिनकी आभा पर धूल अभी तक छाई है ?
रेशमी देह पर जिन अभागिनों की अब तक रेशम क्या, साड़ी सही नहीं चढ़ पाई है ।

पर तुम नगरों के लाल, अमीरों के पुतले, क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे,
जलता हो सारा देश, किन्तु, होकर अधीर तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे ?

चिन्ता हो भी क्यों तुम्हें, गाँव के जलने से , दिल्ली में तो रोटियाँ नहीं कम होती हैं ।
धुलता न अश्रु-बूँदों से आँखों से काजल, गालों पर की धूलियाँ नहीं नम होती हैं ।

जलते हैं तो ये गाँव देश के जला करें, आराम नयी दिल्ली अपना कब छोड़ेगी,
या रक्खेगी मरघट में भी रेशमी महल, या आँधी की खाकर चपेट सब छोड़ेगी ।

चल रहे ग्राम-कुंजों में पछिया के झकोर, दिल्ली, लेकिन, ले रही लहर पुरवाई में,
है विकल देश सारा अभाव के तापों से, दिल्ली सुख से सोई है नरम रजाई में ।

(क) राजधानी में और ग्रामीण भारत में क्या अंतर है ?

(ख) ग्रामीणों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ?

(ग) दिल्लीवासियों को गाँवों के कष्ट क्यों नहीं दिखाई पड़ते ?

(घ) 'ग्राम की रंभा' किन्हें कहा है ? उन्हें अभागिन क्यों माना है ?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए -

है विकल देश सारा अभाव के तापों से,
दिल्ली सुख से सोई है नरम रजाई में ।

अथवा

जब कभी मछेरे को फेंका हुआ
फैला जाल
समेटते हुए देखता हूँ
तो अपना सिमटता हुआ
'स्व' याद हो आता है –
जो कभी समाज, गाँव और
परिवार की वृहत्तर परिधि में
समाहित था
'सर्व' की परिभाषा बनकर,
और अब केन्द्रित हो
गया हूँ मात्र बिन्दु में ।
जब कभी अनेक फूलों पर
बैठी, पराग को समेटती
मधुमक्खियों को देखता हूँ
तो मुझे अपने पूर्वजों की
याद हो आती है,
जो कभी फूलों को रंग, जाति, वर्ग
अथवा कबीलों में नहीं बाँटते थे
और समझते रहे थे कि
देश एक बाग़ है
और मधु-मनुष्यता
जिससे जीने की अपेक्षा होती है ।

(क) 'स्व' की वृहत्तर परिधि क्या थी ?

(ख) 'स्व' की तुलना मछेरे के जाल से क्यों की गई है ?

(ग) मधुमक्खियों को देखकर पूर्वजों की याद क्यों आ जाती है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

देश एक बाग है
और मधु-मनुष्यता ।

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव दो वाक्यों में लिखिए ।

खंड – 'ख'

3. किसी **एक** विषय पर लगभग **400** शब्दों में निबंध लिखिए : **10**

(क) प्राकृतिक आपदा

(ख) क्या नहीं कर सकती नारी

(ग) अंग्रेज़ी की अपरिहार्यता

(घ) जनसंख्या वृद्धि की समस्या

4. आपकी संस्था 'हमारा हाथ' उत्तराखंड की आपदा से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए कुछ राहत सामग्री और पुनर्वास विशेषज्ञों को लेकर जाना चाहती है । संस्था के सचिव के रूप में पूरा विवरण देते हुए सचिव, आपदा नियंत्रण, उत्तराखंड सरकार को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

नारियों के प्रति अत्याचार की बढ़ती घटनाओं का विश्लेषण करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान का एक उपाय भी सुझाइए ।

5. 'कहाँ नहीं है भ्रष्टाचार !' विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

अथवा

'कुछ टी.वी. चैनलों द्वारा बढ़ाया जा रहा है अंधविश्वास' विषय पर एक फीचर का आलेख लिखिए ।

6. संक्षेप में उत्तर दीजिए : **$1 \times 5 = 5$**

(क) समाचार किसे कहा जाता है ?

(ख) समाचार प्रस्तुति की प्रमुख शैली को पिरामिड शैली क्यों कहा जाता है ?

(ग) पत्रकारिता में 'बीट' से क्या तात्पर्य है ?

(घ) स्टिंग ऑपरेशन की क्या उपयोगिता है ?

(ङ) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

खंड – 'ग'

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर करता मैं तेरा तर्पण ।

अथवा

राधौ ! एक बार फिरि आवौ ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ ।।
जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार-वार चुचुकारे ।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे ।।
भरत सौ गुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिम मारे ।।

8. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3 + 3 = 6

(क) 'विद्यापति' की विरहिणी नायिका का काव्यांश के आधार पर अपने शब्दों में चित्रण कीजिए ।

(ख) 'देवसेना का गीत' के आधार पर देवसेना की वेदना पर प्रकाश डालिए ।

(ग) 'गीत गाने दो मुझे तो' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि किन परिस्थितियों में कविता करना चाहता है और क्यों ?

9. किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 3 + 3 = 6

(क) तुम्ह बिनु कंता धनि हरुई तन तिनुवर भा डोल ।
तेहि पर बिरह जराइ कै चहै उड़ावा झोल ।।

(ख) यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग-संचय
यह गोरस-जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय,
यह अंकुर फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय ।

(ग) घनआनंद मीत सुजान बिना,

सब ही सुख-साज-समाज टरे ।

तब हार पहार-से लागत हे,

अब आनि के बीच पहार परे ।।

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

मैं तो केवल निमित्त मात्र था । अरुण के पीछे सूर्य था। मैंने पुत्र को जन्म दिया, उसका लालन-पालन किया, बड़ा हो जाने पर उसके रहने के लिए विशाल भवन बनवा दिया, उसमें उसका गृह-प्रवेश करा दिया, उसके संरक्षण एवं परिवर्धन के लिए एक सुयोग्य अभिभावक डॉ. सतीश चंद्र काला को नियुक्त कर दिया और फिर मैंने संन्यास ले लिया ।

अथवा

मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार । किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए । सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है ।

11. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'ढेले चुन लो' शीर्षक मनके में उल्लिखित विवाह प्रथाओं पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(ख) संवदिया किसे कहा जाता है ? उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि गाँव वालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है ?

(ग) 'कच्चा चिट्ठा' के आधार पर प्रयाग संग्रहालय को व्रजमोहन व्यास के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

12. निर्मल वर्मा **अथवा** भीष्म साहनी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **6**

अथवा

रघुवीर सहाय **अथवा** केशवदास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

खंड – 'घ'

13. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई ? दो कारण लिखिए ।

(ख) घर लौटते समय रूपसिंह को अजीब सी झिझक क्यों हो रही थी ? 'आरोहण' के आधार पर दो कारण लिखिए ।

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर गरमी और लू से बचने के उपायों का विवरण दीजिए ।

14. 'अपने नदी, नाले, तालाब सँभाल के रखो तो दुष्काल का साल मज़े में निकल जाता है । लेकिन जिसे हम विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है ।'

(क) नदी-नाले-तालाब को सँभाल के रखने से लेखक का क्या आशय है ? यह काम पर्यावरण रक्षण से कैसे जोड़ता है ? **2 + 1**

(ख) विकास की औद्योगिक सभ्यता को उजाड़ की अपसभ्यता क्यों कहा गया है ? **2**

15. 'हम सौ लाख बार बनाएँगे' – इस कथन के आलोक में सूरदास का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'..... पहाड़ धसक गया और अपने तीस नाली खेत, मकान, माँ-बाबा – सब दब गए मलबे में । मैं ही किसी तरह बच गया, छानी पर था इसलिए वहीं से तबाही देखी थी मैंने लाचार, असहाय......' कथन के आलोक में पहाड़ों पर प्राय: आने वाली प्राकृतिक आपदाओं तथा पहाड़-वासियों की जिजीविषा और साहस पर टिप्पणी कीजिए ।